Naidunia Date: 25.02.2020

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नहीं पड़ेगा प्रभाव

वैष्णव यूनिवर्सिटी के प्रवाह- 2020 में मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. दीपक तिवारी। ● **फोटो संस्था**

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। पत्रकारिता का प्राथमिक उद्देश्य आम आदमी के हित में सवाल करना है। डिजिटल युग में मीडिया के आधारभूत सिद्धांत नहीं बदलते हैं सिर्फ फॉर्मेट बदलता है। डिजिटल युग में समाचारों के प्रस्तुतीकरण का तरीका बदल रहा है। इसमें कंटेंट राइटर की भूमिका परिवर्तित नहीं होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंटेंट राइटर की नौकरियों को प्रभावित नहीं कर सकती है।

डिजिटलीकरण ने मीडिया को लोकतांत्रिक नहीं बनाया है बल्कि यह कुछ लोगों के लिए एक उपकरण बन गया है। इस तरह के मीडिया लोकतंत्र के लिए बाधा बन गए हैं। मीडिया का स्वामित्व एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. दीपक तिवारी का। सोमवार को श्री वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी द्वारा नेशनल मीडिया कॉन्क्लेव प्रवाह- 2020 का आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख मीडिया पर्सन और शिक्षाविद् मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कॉन्क्लेव की थीम डिजिटल युग में मीडिया थी। इसमें देशभर के मीडिया विद्यार्थी भी शामिल हुए।

चुनौती सूचना को समाचार में बदलने की है : कार्यक्रम के उद्घाटन मौके पर वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन के समन्वयक डॉ. संतोष धर ने कहा इंफॉर्मेशन तेज गति से प्रसारित हो रही है। इस परिदृश्य में वास्तविक चुनौती सूचना को समाचार में बदलना है ताकि यह प्रासंगिक हो सके। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने कहा 80 फीसदी भारतीय सोशल मीडिया और इंस्टेंट मैसेजिंग सेवाओं के माध्यम से इंटरनेट पर समाचारों का उपभोग करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डिजिटल मीडिया में समाचार वितरण को स्वचालित बनाने में मुख्य भूमिका निभाई है। वर्चुअल न्यूज एंकर इसका एक उदाहरण है।

तटस्थ होने के बजाय सही होने की जरूरत है

पहले सत्र में बीबीसी हिंदी की सारिका सिंह ने विद्यार्थियों के साथ चर्चा की और एक अच्छे पत्रकार बनने के तरीके बताए। उन्होंने मीडिया में नैतिकता पर जोर दिया और कहा कि हमें तटस्थ होने के बजाय सही होने की जरूरत है। आकाशवाणी की एंकर उद्घोषक सुधा शर्मा ने डिजिटल युग के सकारात्मक पक्षों पर चर्चा की और अपने अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम में फूड ब्लॉगर विनीत व्यास, आरजे नवनीत, कंटेंट राइटर मुक्ति मसीह ने भी अपने विचार साझा किए। मध्यप्रदेश माध्यम के ओएसडी पुष्पेंद्र पाल सिंह, रोजगार और निर्माण के मुख्य संपादक व बीआरएसआई भोपाल के अध्यक्ष ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सुप्रिया गुप्ते ने प्रवाह- 2020 की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

Patrika Date: 25.02.2020

MEDIA CONCLAVE...

डिजिटल युग में मीडिया के आधारभूत सिद्धांत नहीं सिर्फ फॉर्मेट बदला है

नेशनल मीडिया कॉन्क्लेव 'प्रवाह' में 'डिजिटल युग इन मीडिया' विषय पर एक्सपर्ट्स ने रखी राय

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • पत्रकारिता का प्राथमिक उद्देश्य आम आदमी के हित में सवाल करना है। डिजिटल युग में मीडिया के आधारभूत सिद्धांत नहीं बदलते हैं सिर्फ फॉर्मेट बदलता है। डिजिटल युग में समाचारों के प्रस्तुतीकरण का तरीका बदल रहा है इसमें कंटेंट राइटर की भूमिका परिवर्तित नहीं होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंटेंट राइटर की नौकरियों को प्रभावित नहीं कर सकती है। यह बात सोमवार को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में प्रवाह-नेशनल मीडिया कॉन्क्लेव में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर दीपक तिवारी ने कही। कॉन्क्लेव की मुख्य थीम 'डिजिटल युग में मीडिया' थी।

प्रोफेसर तिवारी ने कहा, डिजिटलीकरण ने मीडिया को लोकतांत्रिक नहीं बनाया है बल्कि यह कुछ लोगों के लिए एक उपकरण बन गया है। इस तरह के मीडिया लोकतंत्र के लिए बाधा बन गए हैं, इस प्रकार मीडिया का स्वामित्व एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

उद्घाटन समारोह में वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के समन्वयक डॉ. संतोष धर समन्वयक ने कहा कि इन्फॉर्मेशन तीव्र गति से प्रसारित हो रही है, इस परिदृश्य में वास्तविक चुनौती सूचना को समाचार में बदलना है ताकि यह प्रासंगिक हो सके।

संस्थान के कुलपति डॉ उपिंदर धर ने कहा, 80 प्रतिशत भारतीय सोशल मीडिया और इंस्टेंट मैसेजिंग सेवाओं के माध्यम से इंटरनेट पर समाचारों का उपभोग करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डिजिटल मीडिया में समाचार वितरण को स्वचालित बनाने में मुख्य भूमिका निभाई है। चैटबॉट न्यूज एंकर इसका एक उदाहरण है।

पहले प्लीनरी सत्र में बीबीसी हिंदी ब्रॉडकास्ट जर्नल सारिका सिंह ने छात्रों के साथ चर्चा की और एक अच्छे पत्रकार बनने के तरीके बताए। उन्होंने मीडिया में नैतिकता पर जोर दिया और कहा कि हमें तटस्थ होने के बजाय सही होने की जरूरत है।